A–0611

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-505

एम.ए. ज्योतिष (MAJY)

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास-02

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अर्वाचीन मत के अनुसार सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

2. प्राचीन मत के अनुसार प्रलय की क्या अवधारणा है ? विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. स्पष्ट दिक् व्यवस्था के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

4. समस्याओं के समाधान में ज्योतिष शास्त्र की भूमिकाओं का वर्णन कीजिए।

5. रोग निर्धारण में ज्योतिष शास्त्र की भूमिका का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्राचीन मत के अनुसार ग्रह कक्षा का वर्णन कीजिए।

2. पैत्रय कालमान एवं मनु कालमान के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।

3. सूर्य के भौतिक स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. सामाजिक क्षेत्र में ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिताओं का प्रतिपादन कीजिए।

5. मुख रोग का कारण एवं निदान ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कीजिए।

6. पृथ्वी के स्वरूप का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. चंद्र ग्रहण का सचित्र संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

8. सौरमण्डल में किस ग्रह के कितने उपग्रह हैं ? परिचय दीजिए।

****